RAN-2101000105020331

RAN-2101000105020331

B.A. (Sem. V) Examination October - 2023

Hindi : Paper - 11

मध्ययुगीन कविता: भ्रमरगीत सार : सूरदास

सूचना : / Instructions

(१) નીચે દર્શાવેલ ☛ નિશાનીવાળી વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fill up strictly the details of ☛ signs on your answer book

Name of the Examination:

☛ **B.A. (Sem. V)**

Name of the Subject :

☛ **Hindi : Paper - 11 मध्ययुगीन कविता: भ्रमरगीत सार : सूरदास**

Subject Code No.: **2101000105020331**

Seat No.:

Student's Signature

प्र. १ बहु विकल्पी प्रश्नो के उतर दीजिए। (१०)

१) 'भ्रमरगीत' मूलतः कौन-सा काव्य हैं?

(अ) मुक्तक काव्य (ब) खण्ड काव्य

(क) चम्पु काव्य (ड) चरित्र काव्य

२) सूरदास रचित कितने 'भ्रमरगीत' मिलते हैं?

(अ) एक (ब) दो

(क) तीन (ड) चार

३) उद्धव किस रूपमें गोपियों के पास आये थे?

(अ) मित्र के रूप में (ब) भ्रमर के रूप में

(क) प्रेमी के रूप में (ड) संदेश वाहक के रूप में

४) श्री कृष्ण कहाँ के स्वामी हैं?

(अ) गोकुल (ब) मथुरा

(क) वृन्दावन (ड) अयोध्या

५) श्री कृष्ण अक्रूर के साथ किसके निमंत्रण पर मथुरा गये थे?

(अ) वासुदेव के (ब) नंद के

(क) कंस के (ड) गोपियों के

प्र. २ 'भ्रमरगीत' में गोपियों की विरह वेदना की मार्मिक अभिव्यक्ति हुई है। तर्क संगत उत्तर दीजिए। **(१३)**

अथवा

'भ्रमरगीत' निर्गुण पर सगुण की विजय का काव्य है।'' इस कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

प्र. ३ 'भ्रमरगीत' के आधार पर गोपियों की मनोदशा की चर्चा कीजिए। **(१३)**

अथवा

उद्धव का चरित्रांकन कीजिए।

प्र. ४ **(१४)**

अ) टिप्पणी लिखिए।

सूरदास का परिचय

अथवा

श्री कृष्ण का उद्धव के प्रति वचन

ब) ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

अंखिया हरि-दरसन की भूखी।
कैसे रहैं रूपरसराची ये बतियां सुनि रूखी।।
अवधि गनत इकटक मम जोवत तब एती नहिं झूखी।
अब इन जोग-संदेसन ऊधो अति अकुलानी दूखी।।
बारक वह मुख फेरि दिखाओ दुहि पय पिवत पतूखी।
सूर सिकत हटि नाव चलायो ये सरिता हैं सूखी।।

अथवा

ऊधो ! इन नयनन नेम लियो।
नन्दनन्दन सों पतिव्रत बांध्यो, दरसत नाहीं बियो।।
इन्दु चकोर, मेघ प्रति चात्क जैसे धरन दियो।
तैसे ये लोचन गोपालै इकटक प्रेम पियो।।
ज्ञानकुसुम ले आए ऊधो ! चपल न उचित कियो।
हरिमुख – कमल अमियरस सूरज चाहत बहै लियो।।